TATAS ENTER SATELLITE BROADBAND BIZ

The recent move by Govt of India allowing private competitors in the satellite broadband sector has seen companies like the Tata group and Telesat, a Canadian satellite communications services provider enter the market. Other major companies showing an interest in this growing industry are Elon Musk's Starlink, Amazon's Project Kuiper and Sunil Bharti Mittal's One Web.

The Tata group and Canadian satellite communications services provider Telesat have partnered to enter the satellite broadband business in India. The other brands like Elon Musk's Starlink, Jeff Bezos's Project Kuiper and Sunil Bharti Mittal-backed One Web had already announced their entry into this segment earlier.

Tata group entity Nelco had announced a partnership with Telesat in September 2020 with an aim to offer enterprise broadband services based on Telesat' s Low Earth Orbit (LEO) satellites.

"Telesat and Nelco are in the process of finalising their commercial offerings across enterprise market segments, which are subject to the appropriate regulatory approvals. The market requirements are different for various segments and those are being jointly analysed," said PJ Nath, Managing Director & CEO at Nelco Limited,

Laura Roberti, Spectrum and Market Access Director at Telesat, said the Canadian company is also exploring other local partnerships with Indian companies for the terrestrial connectivity of its LEO network. Through these partnerships, Telesat aims to explore site locations for gateway landing stations and Points of Presence in India. The new LEO-satellite concepts, which orbit 500-2,000 km from Earth, offer faster communications because they have lower latency and often provide higher bandwidth per user than the current running Geosynchronous Earth Orbit satellites that offer broadband services.

It will be interesting to watch the growth of the satellite broadband market open up in India with Telesat and Tata group competing in the satellite broadband sector with Elon Musk's Starlink, Amazon's Project Kuiper and Sunil Bharti Mittal's One Web. Hopefully more players like Measat and other satellite companies should follow suit soon. ■

टाटा ने सैटेलाइट ब्रॉडबैंड कारोबार में प्रवेश किया

भारत सरकार द्वारा सैटेलाइट ब्रॉडबैंड क्षेत्र में निजी प्रतिस्पर्धियों को अनुमति देने के हालिया कदम ने टाटा समूह और कनाडा के सैटेलाइट संचार सेवा प्रदाता टेलीसैट जैसी कंपनियों को बाजार में प्रवेश करते देखा गया। इस बढ़ते उद्योग में रूचि दिखाने वाली अन्य प्रमुख कंपनियां हैं एलोन मस्क की स्टारलिंक, अमेजॅन की प्रोजेक्ट कुइपर और सुनील भारती मित्तल की वन वेब।

टाटा ग्रुप और कनाडाई सैटेलाइट संचार सेवा प्रदाता टेलीसैट ने भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड व्यवसाय में प्रवेश करने के लिए भागीदारी की है। एलोन मस्क के स्टारलिंक, जेफ बेजोस के प्रोजेक्ट कुइपर और सुनील भारती समर्थित वन वेब जैसे अन्य ब्रांडों ने पहले ही इस सेगमेंट में अपने प्रवेश की घोषणा कर दी है।

टाटा समूह की इकाई नेल्को ने सितंबर **2020** में टेलीसैट के साथ साझेदारी की घोषणा की थी जिसका उद्देश्य टेलीसैट के लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइटों पर आधारित एंटरप्राइज ब्रॉडबैंड सेवायें प्रदान करना था। 'टेलीसैट और नेल्को उद्यम बाजार क्षेत्रों में अपने वाणिज्यिक ऑफरिंग को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है जो उचित नियामक अनुमोदन के अधीन है। नेल्को लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ पीजे नाथ ने कहा कि विभिन्न खंडों के लिए बाजार की आवश्यकतायें अलग–अलग है और उनका संयुक्त रूप से विश्लेषण किया जा रहा है।

टेलीसैट में स्पेक्ट्रम और मार्केट एक्सेस निदेशक लौरा रार्बर्टी ने कहा कि कनाडाई कंपनी अपने एलईओ नेटवर्क की टेरेस्ट्रियल कनेक्टिविटी के लिए भारतीय कंपनियों के साथ अन्य स्थानीय साझेदारी की भी तलाश कर रही है। इन साझेदारियों के माध्यम से टेलीसैट का लक्ष्य भारत में गेटवे लैंडिंग स्टेशनों और उपस्थिति के बिंदुओं के लिए साइट स्थानों का पता लगाना है। नयी लियो सैटेलाइट अवधारणायें, जो पृथ्वी से **500–2000** किमी की परिक्रमा करती है, तेजी से संचार प्रदान करती है क्योंकि उनके पास कम विलंबता है और अक्सर वर्तमान में चल रहे जियोसिंक्रोनोमस अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइटों की तुलना में प्रति उपयोगकर्ता उच्च बैंडविड्थ प्रदान करते हैं जो ब्रॉडबैंड सेवायें प्रदान करते हैं।

एलोन मस्क के स्टारलिंक, अमेजॅन के प्रोजेक्ट कुइपर और सुनील भारती मित्तल के वन वेब के साथ सैटेलाइट ब्रॉडबैंड क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने वाले टेलीसैट और टाटा समूह के साथ भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड बाजार के विकास को देखना दिलचस्प होगा। उम्मीद है कि मीआसैट और अन्य सैटेलाइट कंपनियां भी शीघ्र ही इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करायेगी। ■